



सोया कृषकों के लिए सलाह Advisory for Soybean Farmers



फोन : 0731-2476188, Fax: 2470520
वेब साइट : <https://iisrindore.icar.gov.in>
ई मेल : director.soybean@icar.gov.in / dsrdirector@gmail.com

YouTube लिंक: YouTube channel: <https://www.youtube.com/channel/UCNdY5AsfPZqsCO8lxkAuSyQ>
Facebook Page: <https://www.facebook.com/ICAR-Indian-Institute-of-Soybean-Research-Indore-507415769433553>
फेसबुक: <https://www.facebook.com/icar.nsri/>
X: @ICARNSRI Whatsapp & Telegram: NSRI Soy Farmers

© ICAR-NSRI

यह विस्तार बुलेटिन सोया कृषकों के सार्वजनिक हित में और विशुद्ध रूप से भारत भर के सोयाबीन उत्पादकों के लाभ के लिए जारी की गई है। यह आईसीएआर-राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान और सोयाबीन पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के वैज्ञानिकों की बौद्धिक सम्पदा है। सोया कृषकों के अतिरिक्त किसी व्यक्ति या संगठन द्वारा किसी प्रकार का व्यावसायिक/लाभ कमाने के लिए इसका आंशिक/संपूर्ण उपयोग ICAR-NSRI को बिना उचित श्रेय दिए सख्त वर्जित है।

Disclaimer: This document/Advisory is issued in the public interest and purely for the benefit of the soybean growers across India. This is the sole intellectual output of scientists of ICAR-National Soybean Research Institute, and All India Coordinated Research Project on Soybean. Its use by any organization (other than farmers) for any commercial/profit making as part/whole/copying without giving due credit is strictly prohibited.

फ़ाइल क्रमांक: टेक 10-6/2025

दिनांक: 15.09.2025

सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers (15-21 सितम्बर 2025 / 15th-21st September 2025)

अ. परिपक्वता की स्थिति में कटाई-गहाई सम्बन्धी सलाह (A. Advisory about the practices to be followed during maturity, harvesting and threshing)

1.	सोयाबीन की शीघ्र पकनेवाली किस्मों में 90% फलियों का रंग पिला पड़ने पर फसल की कटाई कर सकते हैं। इससे बीज के अंकुरण में विपरीत प्रभाव नहीं होता। Harvest the early maturing soybean varieties immediately after the 90% pods have turned yellow. This will not have adverse effect on the seed germination.	
2.	सलाह हैं कि उचित समय पर फसल की कटाई करे जिससे फलियों के चटकने से होने वाले नुकसान या फलियों के अंकुरित होने से बीज की गुणवत्ता में आने वाली कमी से बचा जा सके। It is advised that the farmers should harvest their soybean crop at the right time (Physiological maturity indicating change in pod color). This will also minimize the yield losses due to shattering.	
3.	सोयाबीन की कटी हुयी फसल को धूप में सुखाने के पश्चात गहाई करें। तुरंत गहाई करना संभव नहीं होने की स्थिति में बारिश से बचाने हेतु फसल को सुरक्षित स्थान पर इकट्ठा करें। The harvested crop must be threshed after sun drying. If the threshing is to be done later, it should be stored at safe place protecting from rains.	
4.	आगामी वर्ष बीज के रूप में उपयोगी सोयाबीन की फसल की गहाई 350 से 400 आर.पी.एम. पर करें जिससे बीज की गुणवत्ता पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़े। If the produce is to be used for seed purpose in the next season, farmers are advised to thresh the soybean at 350 to 400 RPM thresher to avoid the loss of seed germination.	

5.	जिन क्षेत्रों में लगातार बारिश हो रही है, कृपया अपने खेत से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु समुचित व्यवस्था करे एवं जलभराव की स्थिति से होने वाले नुकसान से फसल को बचाए। It is advised to make necessary drainage arrangement in order to maintain the quality of the soybean produce due to continuous rain at the time of maturity as a result of logging situation	
6.	सोयाबीन की फलियों में दाने भरने या परिपक्वता की अवस्था में फसल पर होने वाली लगातार बारिश से सोयाबीन की गुणवत्ता में कमी आ सकती है या फलियों के दाने अंकुरित होने की भी सम्भावना हो सकती है. अतः सलाह है कि उचित समय पर फसल की कटाई करे जिससे फलियों के चटकने से होने वाले नुकसान या फलियों के अंकुरित होने से बीज की गुणवत्ता में आने वाली कमी से बचा जा सके.	
Because of continued rain during the maturity stage, the soybean crop is likely to affect in terms of its quality parameters including viability as well as risk of pre-harvest sprouting in the matured pods. Therefore, farmers are advised to harvest their crop at the right time (Physiological maturity indicating change in pod color). This will also minimize the yield losses due to shattering. However, the crop harvested at physiological maturity must be dried properly to avoid losses due to rotting of grains.		

ब. जहा सोयाबीन फसल दाने भरने की स्थिति में हैं, ऐसे कृषकों को सलाह B. Advisory for soy farmers whose crop is at grain filling stage.

1.	फलियों में दाने भरने की स्थिति में फली छेदक इल्ली (पोड बोरर) द्वारा नुकसान किये जाने की सम्भावना होती है, जो फलियों के अन्दर रहकर दानों को खाती हैं/सड़ा देती हैं इसके साथ साथ चने की इल्ली के नियंत्रण हेतु फसल पर इंडोक्साकार्ब 15.80 % EC (333 मिली/हे.) का छिड़काव करें. इसके लिये वैकल्पिक कीटनाशक हैं, इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे.), या ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी (250-300 ग्राम/हे.) या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली/हे .) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी (150मि.ली./हे), या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब एस .सी.(875-825मि.ली./हे).	
	During the pod filling stage, pod borer especially heliothis armigera are likely to damage pods and grains. This can be controlled by the spray of Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha). Alternatively, farmers may also apply the spray of any one of the following insecticides like Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha). OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Flubendiamide 20 % WG (250-300 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Chlorantraniliprole 18.5 % SC (150 ml/ha) OR Novaluron 05.25 % + Indoxacarb 04.50 % SC (825-875 ml/ha).	
2.	तम्बाकू की इल्ली के नियंत्रण हेतु निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिड़काव करें : क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी, (150मि.ली./हे) या स्पायनेटोरम 11.7एस.सी (450 मिली/हे) या इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), या फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी (250-300 ग्राम/हे.) या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली/हे .) या इंडोक्साकार्ब 15.8 एस .सी (333 मि.ली/हे), या क्लोरफ्लूआजुरोन % 05.40EC (500 मिली./हे) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) या ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे,) का छिड़काव करें.	

	For the control of Tobacco caterpillar (<i>Spodoptera litura</i>), farmers are advised to apply the spray of any of the following insecticide: Chlorantraniliprole 18.5 % SC (150 ml/ha) OR Spinoteram 11.7 SC (450 ml/ha) OR Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Flubendiamide 20 % WG (250-300 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), OR Chlorfluazuron 05.40% EC (500 ml/he) OR Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC (825-875 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha).	
3.	एन्थ्राक्नोज रोग: जैसा की चित्र में दिखाया गया है, इसके प्रारंभिक लक्षण देखे जाने पर ही नियंत्रण हेतु टेबूकोनाजोल 25.9 ई.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 38.39 एस.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 10%+सल्फर 65%WG (1.25 किग्रा./हे) या कार्बेन्डाजिम 12%+मेन्कोजेब 63% डब्ल्यू.पी. (1.25 किग्रा/हे) से फसल पर छिड़काव करें. Anthracnose: For control of anthracnose disease farmers are advised to apply the spray of Tebuconazole 25.9 EC (625 ml/ha) OR 38.39 SC (625 ml/ha) OR Tebuconazole Tebuconazole 10%+Sulphur 65% WG (1.25 kg/ha) OR Carbendazim 12%+Mencozeb 63% WP (1.25 kg/ha) immediately after the symptoms are seen.	
4.	रायजोक्टेोनिया एरिअल ब्लाइट: इस रोग के लक्षण दिखाई देने पर सलाह है कि नियंत्रण हेतु अनुशंसित फफूंदनाशक फ्लुक्सापग्रोक्साड + पायरोक्लोस्ट्रोबीन (300 ग्रा/हे) या पायरोक्लोस्ट्रोबीन इपोक्लोसीकोनाजोल + (750 मिली/हे) या पायरोक्लोस्ट्रोबीन 20% WG (375-500 ग्रा/हे) का अपने फसल पर छिड़काव करें. Rhizoctonia Aerial Blight: Farmers are advised to apply the spray of recommended fungicides like Fluxapyroxad 167 g/l + Pyraclostrobin 333 g/l SC (300 g/ha) OR Pyraclostrobin 133 g/l + Epoxiconazole 50g/l SE (750 ml/ha) OR Pyraclostrobin 20 WG (375-500 g/ha) immediately after the symptoms of Rhizoctonia Aerial Blight are seen.	
